Harit Sanjivani Crop Schedule

फसल : इलायची (Cardamom)

नर्सरी बुआई का समय : नवंबर से , ट्रांसप्लांटिंग का समय : मार्च से मई, नर्सरी का अवधी : 150 दिन, फसल का अवधी : 700 से अधिक दिन

नर्सरी के लिये हरित संजीवनी प्रोडक्टस इस्तेमाल कैसे और कब करे
बीज प्रक्रिया : 1 किलो इलायची बीज के लिये डिफेंड 5 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 3 मिली का इस्तेमाल करें। नर्सरी बेड 5 मी × 1 मी के लिये गार्डन गोल्ड 500 ग्राम के 2 पाउच + सोइल हेल्थ स्पेशल 50 ग्राम का इस्तेमाल करें। नर्सरी बीज बुआई से 35 से 40 दिनों में रेपिड 2 मिली + डिफेंड 2 ग्राम + फ्रूट स्पेशल 1 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली (प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें। इसके बाद हर 15 दिन में जरूरत के अनुसार यही छिड़काव करें। ट्रांसप्लांटिंग करते समय डिफेंड 3 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर उसमें पौधों को डुबोकर ले या फिर ट्रांसप्लांटिंग के बाद डिफेंड 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर ड्रेंचिंग करें।

हरित संजीवनी के प्रोडक्टस	कब और कैसे इस्तेमाल करे
हरित संजीवनी प्रक्रिया 1 250 ग्राम + सोईल हेल्थ स्पेशल 500 ग्राम (प्रती एकड़)	इलायची ट्रांसप्लांटिंग करते समय या ट्रांसप्लांटिंग करने से 30 दिनों तक किसी भी रासायनिक तथा ओरगेनिक खाद में मिलाकर अथवा 40 से 50 किलो सुखी मिट्टी में तथा ड्रिप इरिगेशन अथवा ड्रेंचिंग द्वारा जमीन में दे सकते है।
हरित संजीवनी प्रक्रिया 2 + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी **रेपिड** **डिफेंड**	इलायची ट्रांसप्लांटिंग करने से 15 से 30 दिनों में छिड़काव करे। (पौधों की वृदधी की अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी
हरित संजीवनी प्रक्रिया 3 + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी **रेपिड** **डिफेंड**	इलायची ट्रांसप्लांटिंग करने से 30 से 45 दिनों में छिड़काव करे। (पौधों की वृदधी की अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी
हरित संजीवनी प्रक्रिया 4 + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी **रेपिड** **डिफेंड**	इलायची ट्रांसप्लांटिंग करने से 45 से 60 दिनों में छिड़काव करे। (पौधों की वृदधी की अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी

downloaded from: www.haritsanjivani.in

Harit Sanjivani Crop Schedule

हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 1 से 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी **रेपिड** **डिफेंड**	हरित संजीवनी प्रक्रिया 4 के छिड़काव के बाद फसल वृदधी की अवस्था में हर 30 दिनों के अंतराल में छिड़काव करें। रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी
हरित संजीवनी सोईल हेल्थ स्पेशल 500 ग्राम (प्रती एकड़)	फसल वृदधी की अवस्था में हर 3 से 4 माह में किसी भी रासायनिक तथा ओरगेनिक खाद में मिलाकर अथवा 40 से 50 किलो सुखी मिट्टी में तथा ड्रिप इरिगेशन अथवा ड्रेंचिंग द्वारा जमीन में दे सकते है।
हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 1 से 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी **रेपिड** **डिफेंड**	रायझोम से फ्लावरिंग निकलने की अवस्था में छिड़काव करे। रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी
हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी **रेपिड** **डिफेंड**	फ्लावरिंग का रूपांतरन फलों (केपसूल) में होने की अवस्था में छिड़काव करे। (सेटिंग अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी
इस छिड़काव के बाद केपसूल की विकास अवस्था में हर 20 से 25 दिनों में फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी के प्रमाण में छिड़काव करें। इसमें जरूरतों के अनुसार रेपिड 2 मिली और डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के प्रमाण में मिलाकर छिड़काव कर सकते है।	
स्प्रे मैक्स-85 500 मिली प्रति एकड़ की मात्रा में ड्रिप इरिगेशन या ड्रेंचिंग द्वारा दे सकते है।	

मुख्य एवं सूक्ष्म अन्नतत्व

अवस्था	गोबर खाद / कंपोस्ट खाद (किलोग्राम) (प्रति बेड 5 मी × 1 मी)	नाइट्रोजन (ग्राम प्रति बेड 5 मी × 1 मी)	फास्फोरस (ग्राम प्रति बेड 5 मी × 1 मी)	पोटाश (ग्राम प्रति बेड 5 मी × 1 मी)

downloaded from: www.haritsanjivani.in

नर्सरी बीजों की बुआई के समय	10	30	20	40
नर्सरी बुआई से 45 दिनों में		30	20	40
नर्सरी बुआई से 90 दिनों में		30	20	40

ट्रांसप्लांटिंग करते समय : (मात्रा प्रति एकड़)

1) नाइट्रोजन 15 किलो, फास्फोरस 15 किलो, पोटाश 30 किलो
2) ट्रांसप्लांटिंग करने से 150 दिनों में नाइट्रोजन 15 किलो, फास्फोरस 15 किलो, पोटाश 30 किलो
3) ट्रांसप्लांटिंग करने से 360 दिनों में नाइट्रोजन 30 किलो, फास्फोरस 30 किलो, पोटाश 60 किलो साल में एक बार

सूक्ष्म अन्नद्रव्ये :- (मात्रा प्रति एकड़)

1. मिक्स मायक्रोन्यूट्रियंट्स 20 किलो की मात्रा में गोबर की खाद में या कंपोस्ट खाद में मिलाकर देना|

2. रूट नोट न्युम्यातोड के लिए नीम पेंड 500 किलो की मात्रा में इस्तेमाल किजिए|

3. ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास, स्फुरद घुलनशील जीवाणु, अँजोटोबॅक्टर जैसी जैविक खाद 1 किलो की मात्रा में गोबर या कंपोस्ट खाद में मिलाकर दिजिए|

इलायची पर आनेवाली बीमारियाँ और उपचार	इलायची पर आनेवाली बीमारियाँ और उपचार
फफूंद : **1) नर्सरी लीफ स्पॉट** **उपचार :** छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) **डिफेंड 2 ग्राम** + प्रोपिनेब 2 ग्राम + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली	**2) केप्सूल रॉट / अझुकल डिसिज** **उपचार :** छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) **डिफेंड 2 ग्राम** + थायोफ्यानेट मिथाइल 1 ग्राम + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली ड्रेंचिंग : कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 3 ग्राम + व्हॅलिडा मायसिन 1 मिली + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली
3) लीफ़ ब्लाईट	**4) सर्कोस्पोरा लीफ़ स्पॉट**

downloaded from: www.haritsanjivani.in

Harit Sanjivani Crop Schedule

उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)

डिफेंड **2 ग्राम** + हेक्साकोनाझोल(+)कॅप्टन 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली

उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)

डिफेंड **2 ग्राम** + मेटालॅक्झील(+)मॅंकोझेब 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली

5) रायझोम रॉट / क्लम्प रॉट / सिडलिंग रॉट / डॅम्पिंग ऑफ

उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)

डिफेंड 2 ग्राम + मेटालेक्झिल35% 1 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 – 1 मिली

ड्रेंचिंग (मात्रा प्रति लीटर) : कॉपर 3 ग्राम + व्हेलिडा मायसिन 2 मिली

व्हायरल : अलग अलग फसलों में होने वाले व्हायरल इन्फेक्षन मुख्यता सकिंग पेस्ट कि बजह से होते है या फिर पत्तों में अन्नद्रव्यों कि कमी कि बजह से होते है। इसलिए फसलों पे आनेवाली सकिंग पेस्ट और पत्तों में अन्नद्रव्यों कि मात्रा पर विशेष ध्यान रखे। प्लॉट में जीन पौधों पर किसी भी प्रकार का व्हायरस दिखे तो तुरंत इन्फेक्टेड पौधों का नाश करे।

व्हायरल : 1) कट्टे डिसिज (मोजेक / मार्बल)

2) कार्डामम वेन क्लियरिंग (कोक्केकंडु)

उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) **(Spreade by Aphids)**

रेपिड 2 मिली + असिफेट 1.5 ग्राम + डिफेंड 2 ग्राम + + स्प्रे मैक्स-85 – 1 मिली

इस छिड़काव के 2 दिन बाद दूसरा छिड़काव

फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + 13:00:45 – 5 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 – 1 मिली

बॅक्टेरियल : नेक्रोसिस (नीलगिरी नेक्रोसिस)

उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)

(ड्रिप इरिगेशन द्वारा या ड्रेंचिंग द्वारा फ्रूट स्पेशल 1 किलो प्रति एकड़ की मात्रा में जमीन में दे।)

1) डिफेंड **2 ग्राम** + कॅप्टन 2 ग्राम + स्ट्रेप्टो सायक्लीन 6 ग्राम/50ली + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली

downloaded from: www.haritsanjivani.in

2) कॉपर ऑक्सीक्लोराईड - 2 ग्राम + स्ट्रेप्टो सायक्लीन 6 ग्राम/50ली + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली

रस चूसक कीट:

थ्रिप्स | व्हाईट फ़्लाइ | आफिड्स | रेड माइट्स

उपचार : (मात्रा प्रति लीटर) : **रेपिड 2 मिली** + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली

कीट :	**कीट नाशक : (मात्रा प्रति लीटर पानी)**
शूट बोरर, पनिकल बोरर, केपसूल बोरर, हेअर कैटरपिल्लर	इमामेक्टिन 1 ग्रॅम + डायक्लोरव्हास 1 मिली + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली बेराझाईड 3 मिली + डायक्लोरव्हास 1 मिली + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली
शूट फ्लाई (गोल्डन फ्लाई)	रेपिड 1 मिली + फेन्प्रोपॅथ्रिन 1 मिली + डायक्लोरव्हास 1 मिली + **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली

रूट नोट न्यूमातोड़ : उपचार : (मात्रा प्रति एकड़)

ट्रायकोडर्मा 1 किलो + पेसेलोमायसिस 1 किलो + काला गुड़ 2 किलो (तीनों को 10 ली क्लीन पानी में मिक्स करके प्लास्टिक बकेट या प्लास्टिक बर्तन में एक दिन रखे)

दूसरे दिन 200 लीटर पानी में **सोइल हेल्थ स्पेशल** 500 ग्राम मिक्स करके उसमें ऊपरी 10 लीटर का द्रावण मिक्स करे और पौधों की जड़ों में ड्रेंचिंग करें या ड्रिप इरिगेशन द्वारा दे सकते है।

निर्देश : 1) **हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल** किसी भी दवाइयों के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है, सिर्फ अल्कलाइन दवाइयाँ जैसे कॉपर, सल्फर, बोर्डो मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव न करे। 2) हर छिड़काव में **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली प्रति लीटर के अनुपात से इस्तेमाल करें। 3) **डिफेंड** को किसी भी दवाइयों के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है, सिर्फ अल्कलाइन दवाइयाँ जैसे कॉपर, सल्फर, बोर्डो मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव न करे।

(इलायची की फसल के लिए दिये गये खाद, अलग अलग बीमारियों और कीटकों के लिए सलाह ये हमारे फिल्ड ट्रायल, किसानों के अनुभव और कृषि विश्वविद्यालयों के अनुभव के नुसार दिये गये है | हर जगह ये जमीन के अनुसार वातावरण के अनुसार इसमें बदलाव हो सकते है|)

downloaded from: www.haritsanjivani.in